जवानी की अधूरी प्यास- 2

“हॉट सेक्स चुदाई स्टोरी में पढ़ें कि मैंने अपनी अन्तर्वासना के लिए अपने से दोगुनी उम्र के मर्द को बुलाया था. पहली बार मैं बड़ी उम्र के आदमी से चुद रही थी. ...”

Story By: (Komalmis)
Posted: Tuesday, September 29th, 2020
Categories: चुदाई की कहानी
Online version: जवानी की अधूरी प्यास- 2

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

जवानी की अधूरी प्यास- 2

हॉट सेक्स चुदाई स्टोरी में पढ़ें कि मैंने अपनी अन्तर्वासना के लिए अपने से दोगुनी उम्र के मर्द को बुलाया था. पहली बार मैं बड़ी उम्र के आदमी से चुद रही थी.

हॉट सेक्स चुदाई स्टोरी के पिछले भाग
जवानी की अधूरी प्यास- 1
में आप लोगों ने पढ़ा कि कैसे मैंने अपने जिस्म की हवस को शांत करने के लिए पहले सचिन से दोस्ती की.
और जब सचिन मुझे सन्तुष्ट नहीं कर पाया तो उसने ही मेरी दोस्ती अपने एक बड़े उम्र के दोस्त विक्रम सिंह से करवा दी।

अब आगे की हॉट सेक्स चुदाई स्टोरी :

वो पहली रात होने वाली थी जब मैं और विक्रम मिलने वाले थे.
एक रात पहले ही हमारी दोस्ती फोन पर हुई थी और न उन्होंने मुझे देखा था न मैंने उनको।

वो रात मेरे लिए इसलिए भी खास होने वाली थी क्योंकि पहली बार मैं किसी बड़ी उम्र के आदमी से चुदने वाली थी. अभी तक तो मेरे जितने भी दोस्त और मेरे पति ने मुझे चोदा था वो मेरी ही उम्र के थे।
ये मेरे जीवन का एक अलग ही अनुभव होने वाला था।

उस दिन मैंने जल्दी जल्दी अपने घर का काम किया और 7 बजे तक फुर्सत हो गई। उस दिन मैंने रात का खाना भी जल्दी ही खा लिया।

ठीक 8 बजे सचिन का फोन आया और उसने बताया कि वो दोनों आ रहे है।

अपने घर के बाहर की लाइट मैंने बंद कर दी ताकि किसी को कुछ दिखाई न दे कि कोई मेरे यहाँ आ रहा है।
मैंने बाहर जाकर देखा तो पूरा रास्ता सूना था क्योंकि ठंड का समय था और लोग जल्दी ही अपने घरों में चले जाते थे।

मैं अंदर आकर बैठी ही थी कि दरवाजे पर दस्तक हुई.
मैंने तुरंत दरवाजा खोला और सचिन अंदर आ गया।

उसके पीछे विक्रम भी अंदर आये और पहली बार मैंने उनको देखा.
मैंने तुरंत दरवाजा बंद कर दिया।

मैं बार बार विक्रम को और विक्रम मुझे ही देख रहे थे।
विक्रम एक भारी भरकम शरीर के लंबे आदमी थे उनकी लम्बाई 5 फिट 8 इंच से कम नहीं थी।

उस वक्त मैंने एक पीली रंग की साड़ी पहनी हुई थी और विक्रम मुझे बार बार देख रहे थे।

मैं उस वक्त थोड़ा शर्माती हुई रसोई में गई उन दोनों के लिए चाय चढ़ा दी. और ग्लास में पानी लेकर उनके पास गई।
पानी देते हुए मैंने देखा कि विक्रम की नजर मेरी साड़ी से दिख रहे मेरी गोरी कमर पर थी।

मैंने ब्लाउज के अंदर टाइट ब्रा पहनी थी जिससे मेरे दूध तनकर उभरे हुए थे।

मैं पानी देने के बाद रसोई में आ गई.

विक्रम को देखने के बाद मैं सोच रही थी कि ये तो मेरी बेंड बजा देगा इतना पहलवान

जैसा आदमी है ये !
फिर मैंने सोचा कि अब जो होगा देखा जाएगा.

कुछ देर में मैं चाय लेकर आई और हम तीनों ने चाय पी।
इस दौरान केवल सचिन ही मुझसे बात कर रहा था।
उसने हम दोनों का परिचय करवाया।
एक दूसरे को देख हम दोनों बस मुस्कुरा रहे थे।

हम लोगों ने चाय खत्म की और सचिन जाने के लिए उठा.
उसे मैं बाहर तक छोड़ने गई और वापस आकर दरवाजे को अच्छे से बंद कर दिया।

मैं विक्रम के सामने वाले सोफे पर बैठ गई और हम दोनों बात करने लगे।
पिछली रात जो कुछ फ़ोन में हुआ वो सब याद करते हुए मैं सोच रही थी कि क्या ये वही है जो कल रात भर मुझे फोन पर चोद रहे थे।
क्योंकि मैंने नहीं सोचा था कि ये मुझसे इतने हट्टे कट्टे होंगे।

उनकी उम्र कोई ज्यादा नहीं लग रही थी मगर उनका शरीर किसी पहलवान की तरह था।

बातों ही बातों में उन्होंने बताया कि वो कई सालों से जिम करते आ रहे हैं।
मैं तो उनके बदन को ही देख कर हैरान थी उनका वजन कम से कम 100 किलो रहा होगा।
और मेरा वजन मात्र 52 किलो।

वो भी बात करते हुए कभी मेरी कमर देखते तो कभी मेरे उभरे हुए दूध को।
उनकी आंखों से लग रहा था कि वो मुझे खा जाने के लिए उतावले हो रहे हैं।

मेरी नजर उनकी पैन्ट पर गई और मैंने देखा कि उनकी पैन्ट टाइट होकर सामने उभरी हुई थी।

मैं समझ गई कि इनका लंड फनफना रहा है।

अचानक से उन्होंने मुझसे कहा- अगर तुम मेरे बगल में आ कर बैठो तो अच्छा लगेगा।
मैं उठी और उनके बगल में जाकर बैठ गई।

जैसे ही मैं उनके पास गई तो महक से समझ गई कि इन्होंने शराब पी हुई है।
मैं शांत बैठी हुई थी.

उन्होंने शुरुआत करते हुए अपना एक हाथ मेरी गर्दन से होते हुए दूसरी तरफ रख लिया.
फिर मेरी एक बांह को सहलाते हुए बोले- रंजीता तुम तो इतनी मस्त हो कि मैंने सोचा भी नहीं था। तुम्हारी जैसी लड़की कभी मेरी दोस्त बनेगी, ये कभी नहीं सोचा। मैं अकेला रहता हूँ और जिंदगी में कई दोस्त बनी मगर तुम उन सबसे सुंदर हो।

वो हर बात अब खुल कर बोल रहे थे बिना किसी शर्म के।
मैं उनके सवाल का बस सर हिला कर ही जवाब दे रही थी।

“रंजीता, सच कहूँ तुमसे … आज तक मेरी कभी किसी गोरी लड़की से दोस्ती नहीं हुई. तुम पहली लड़की हो।”
“कल रात जब तुमसे फोन पर बात हुई तो मुझे लगा कि कोई अधेड़ उम्र की औरत होगी. क्योंकि सचिन ने बताया था कि तुम शादीशुदा हो. मगर तुम्हें देखते ही मैं तुम पर फिदा हो गया।”

फिर वो बोले- अगर तुम बुरा न मानो तो एक बात कहना चाहता हूँ।
मैंने कहा- जी बोलिये जो बोलना है. मैं बुरा नहीं मानूंगी।

“तुम्हें तो कई अच्छे से अच्छे लड़के मिल सकते हैं. मगर तुम मेरी किस्मत में आई हो. मैं तुमसे उम्र में बड़ा हूं मगर तुमको बहुत खुश रखूंगा. क्या हम दोनों लंबे समय तक दोस्त

रहेंगे या फिर आज रात के बाद तुम भूल जाओगी ?”

मैंने भी अब कुछ खुलते हुए कहा- नहीं ऐसा नहीं है. मैंने एक दिन के लिए दोस्ती नहीं की है. मुझे भी एक ऐसा दोस्त चाहिए जो लंबे वक़्त तक मेरा साथ दे।

“फिर तुम सचिन से केवल एक बार ही क्यों मिली ? सचिन ने मुझे सब कुछ बताया था।”
“ऐसा नहीं है कि सचिन से एक बार मिलने से मैंने उससे दोस्ती खत्म कर दी।”
“वो अभी छोटा है।”

“मैं जानता हूँ कि तुम्हें क्या चाहिए।”
“मतलब ?”
“सचिन ने बताया है कि तुम अपने पति से खुश नहीं हो और न सचिन ने ही तुम्हें खुश किया।”
“मगर मैं तुम्हें हर प्रकार से खुश करने में सक्षम हूँ बस तुम मेरा साथ देना।”
“बोलो दोगी न मेरा साथ ?”
“हाँ क्यों नहीं !”

इतना सुनने के बाद उन्होंने मुझे अपनी ओर खींच लिया और मैंने भी अपने आपको उनको सौम्प दिया।
उन्होंने मुझे अपनी बांहों में भर लिया और मेरे चेहरे को उठाते हुए मेरे होंठों पर अपने होंठ रख दिये।

बहुत प्यार से वो मेरे होंठों को चूस रहे थे. मैं भी उनका साथ देते हुए अपने होंठ चलाने लगी।

उन्होंने सोफे पर बैठे बैठे ही मेरी साड़ी को मेरी जांघों तक उठा लिया और मेरी गोरी गोरी

जांघों को अपने कड़क हाथों से सहलाने लगे।
मैं भी अपने हाथ उनके बालों पर चलाते हुए उनको चूमने लगी।

कहते हैं न कि पूत के पांव पालने में ही दिखाई दे जाते हैं।
वैसे ही उनके चूमने की कला देख कर लग रहा था कि वो कितने अनुभव वाले हैं।
वो मेरे साथ बिल्कुल भी जल्दबाजी नहीं कर रहे थे।

मेरी जांघ से हाथ हटा कर अब मेरे ब्लाउज के ऊपर से ही मेरे दूध को सहलाने लगे।
इतने सालों बाद मुझे लग रहा था कि कोई मर्द मुझे बांहों में लिया है।

उन्होंने मेरी साड़ी खोलना शुरू ही किया था कि मैंने उनका हाथ रोक दिया।
और बोली- यहाँ नहीं … अंदर चलते हैं।
मैं उठ कर बेडरूम की तरफ चल दी।
वो भी मेरे पीछे पीछे आ गए।

बेडरूम में आ कर तुरंत वो मुझसे लिपट गए और मेरी साड़ी खोल कर अलग कर दी।

कुछ ही पल में मेरा ब्लाउज और पेटिकोट भी मेरे बदन से अलग हो गए।
अब मैं ब्रा और चड्डी में उनसे लिपटी हुई थी।

उन्होंने भी अपने कपड़े निकाले और केवल चड्डी में हो गए।
उनका लंड मेरे पेट के पास आकर चड्डी के अंदर से ही मुझे गर्माहट दे रहा था।

मुझे लंड के स्पर्श से ही पता चला गया कि वो काफी मोटा था। मेरा रोम रोम खड़ा हो गया क्योंकि उस रात ठंड भी बहुत ज्यादा थी और हम दोनों के गर्म जिस्म आपस में लिपट कर एक दूसरे को गर्म कर रहे थे।

मेरे होंठों को चूमते हुए अपने दोनों हाथो से मेरे गोरे मुलायम बदन को सहलाये जा रहे थे।
उनके हाथ इतने कठोर थे कि उसके स्पर्श से मेरा मुलायम बदन जल रहा था। मेरे दूध उनके सीने में दबे जा रहे थे।

धीरे से उन्होंने मेरे ब्रा के हुक खोल दिए और मेरी बांह से होते हुए ब्रा निकाल दी। अब मेरे दूध आजाद हो गए और उनके नंगे सीने से चिपक गए।

मेरे होंठों को छोड़ कर अब वो मेरे सीने की ओर झुक गए। मेरे एक निप्पल को अपने मुँह में डाल कर किसी बच्चे की तरह चूसते हुए दूसरे निप्पल को अपनी उंगलियों से हल्के हल्के मसलने लगे।

अब मेरी उत्तेजना बढ़ने लगी, साँसें तेज हो गई और मुँह से अश्लील सिसकारी निकलने लगी- ओऊ हह ओऊ ऊऊआआ आआह माआआ ऊऊऊ ऊहह हहहह आऊच ओओह आआ!
मेरी चड्डी गीली होना शुरू हो गई।

बड़े प्यार से मेरे मुलायम मुलायम दूध को चूमते हुए विक्रम मुझे अपने अनुभव से पूरा मजा दे रहे थे।

अपने एक हाथ से मेरी चिकनी कमर को थाम कर दूसरे हाथ से मेरे दूध को हल्के हल्के मसलने लगे. उनका कठोर हाथ मेरे कोमल दूध को घायल कर रहा था।
मैं उनके सर को दोनों हाथों से थाम कर अपने सीने में दबाती जा रही थी।

कुछ पलों के लिए ही सही मैं पूरी दुनिया को भूल कर उनके साथ इस समय का पूरा मजा ले रही थी।

मैं यह भूल गई थी कि मैं किसी की पत्नी हूँ और इस वक्त किसी पराये आदमी के साथ नंगी चिपकी हुई हूँ।

उस वक्त मुझे जिंदगी का सबसे हसीन सुख प्राप्त हो रहा था। जिसके लिए मेरा जिस्म तड़प रहा था उससे बढ़ कर मजा मुझे मिल रहा था।

काफी देर तक मेरे दूध से खेलने के बाद उन्होंने मुझे बिस्तर पर लिटा दिया और बड़े प्यार से धीरे धीरे मेरी चड्डी को निकालने लगे.

जैसे ही मेरी चूत उनके सामने आई … मैं शर्म के कारण अपने हाथों से उसको ढकने लगी।

मेरे दोनों हाथो को किनारे करते हुए उन्होंने मेरी चूत के दर्शन किये और बोले- अरे वाह रंजीता … सच में तुम एक खूबसूरत जिस्म की मालकिन हो. इतनी प्यारी चूत पाने का मुझे गर्व है।

उन्होंने मेरी गोरी गोरी जाँघों को चूमना शुरू कर दिया और धीरे धीरे मेरी चूत तक पहुँच गए।

मेरी चूत की पंखुड़ियों को फैलाते हुए उन्होंने अपनी जीभ उस पर लगा दी और प्यार से ऊपर नीचे करते हुए चाटने लगे।
मेरी आँखें वो सुख पाकर अपने आप बंद हो गई।

इस तरह कभी किसी ने मेरी चूत नहीं चाटी थी। सच में वो मजा पहली बार मेरी जिंदगी में मिला था।

मैं तो इतने में ही उनकी दीवानी हो गई थी जबकि अभी तो उन्होंने बस शुरुआत ही की थी।

धीरे धीरे मेरे दोनों पैर अपने आप ही फैल गए जैसे कि उनको अंदर आने का आमंत्रण दे रहे हों।

अब उनके लिए पर्याप्त जगह बन गई थी कि वो मेरी चूत का अच्छे से रसपान कर सकें।

उन्होंने अपने मजबूत हाथों से मेरे दोनों पैरों को पकड़ कर हवा में उठा लिया और अपना सर मेरी चूत में गड़ा लिया।
मेरी सिसकारियां अब इतनी तेज हो गई कि लगता था कि कमरे से बाहर न निकल जायें।

वो बहुत बुरी तरह मेरी चूत को चाट रहे थे.

अब मेरा बहुत बुरा हाल हो चुका था लग रहा था कि मैं अपने आप को सम्हाल नहीं पाऊँगी.

और ऐसा ही हुआ … मैं कुछ ही पल में झड़ गई।
मेरी चूत के रस का एक एक कतरा उन्होंने अपनी जीभ से साफ कर दिया.

मगर वो अभी भी नहीं रुके मेरे गांड के छेद तक को वो अपने जीभ से चाट रहे थे।
मैं बहुत जल्द ही फिर से गर्म हो गई।

कुछ समय बाद वो पीछे हटे.
मेरी निगाहें उन्हें ही देख रही थी।

अब वो अपनी चड्डी निकालने लगे.
मेरी व्याकुलता बढ़ गई मैं उनके लंड को पहली बार देखने जा रही थी।

यही हॉट सेक्स चुदाई स्टोरी लड़की की सेक्सी आवाज में सुनें.
https://antarvasnasexstories2.com/wp-content/uploads/2020/09/jawani-ki-adhuri-p

yas-2.mp3

जैसे ही उन्होंने चड्डी निकाली उनका फनफनाता हुआ लंड मेरी आँखों के सामने आ गया।

सच बताऊँ तो मेरे जीवन में अभी तक का वो सबसे बड़ा लंड था.
7 से 8 इंच लंबा और ढाई से तीन इंच मोटा लंड … देख कर डर भी लग रहा था.
पर दिल में एक खुशी भी थी।

उसके बाद उन्होंने अपने हाथो से लंड को सहलाया और मेरे ऊपर आ गए।

लंड के सुपारे को मेरी चूत के ऊपर दबा दबा कर रगड़ने लगे।

इतनी ठंड में उनके गर्म लंड का अहसास ही अलग मजा दे रहा था। मेरी चूत रस से लबालब हो गई थी।
वो अब मेरी चुदाई के लिए पूरी तरह तैयार थे और मैं भी।

उन्होंने अपना लंड मेरी चूत पर लगाया और मेरे चेहरे के पास आकर मेरी आँखों में देखने लगे.
ऐसा लग रहा था जैसे वो मेरी इजाजत मांग रहे हों।

उनके बिना कुछ कहे ही मेरे मुँह से निकल गया- आराम से डालियेगा!
“हाँ जान, चिंता मत करो. तुमको तकलीफ नहीं दूँगा।”

हम दोनों ही एक दूसरे की आंखों में देखे जा रहे थे।

और उन्होंने हल्का दवाब दिया। उनका सुपारा मेरी चूत में जैसे ही घुसा … मेरी आवाज निकली- आआआ आईईई ईईई मम्मम्मी ई!

पर वो रुके नहीं और लंड डालते चले गए।
मेरी आँखें बड़ी हो गई … मुँह खुल गया- आआआआ आहहहह!
लंड सीधा मेरी बच्चेदानी से जा टकराया।

थोड़ी देर रुकने के बाद आधा लंड बाहर निकाल कर दुबारा अंदर कर दिया।
ऐसा उन्होंने कई बार किया।

फिर मेरे दोनों हाथों को अपने हाथों से थामते हुए मुझसे लिपट गए और हल्के हल्के धक्के लगाना शुरू कर दिया।

मेरी चूत के छेद में उनका मोटा लंड चिपक कर अंदर बाहर हो रहा था।
दर्द के साथ साथ मुझे बहुत मजा आ रहा था।

किसी अनुभवी ड्राइवर की तरह उन्होंने अपनी रफ्तार तेज करनी शुरू कर दी और जल्द ही अपने पूरे जोश के साथ मेरी चुदाई करने लगे।

अब तो मेरी सिसकारियां पूरे कमरे में गूंज उठी- ऊऊईई आआआ आह ओऊऊ आआह नही ईईई आआह मम्मम्मीई आआआह हहह बसस्स सस होहोहो आआआ आह हहह!

वो अब वो पूरी ताकत लगा कर मेरी चुदाई कर रहे थे।
थोड़ी तकलीफ होने के बाद मुझे भी पूरा मजा आ रहा था।

अभी भी हम दोनों एक दूसरे की आँखों में देखे जा रहे थे।
इस अंदाज में चुदाई का मजा दुगना हो रहा था।
बीच बीच में वो मेरे होंठों को भी चूमते जा रहे थे।

एक धुंआधार चुदाई की शुरुआत हो चुकी थी. हम दोनों ही एक दूसरे का पूरा साथ दे रहे

थे।
मेरे दोनों दूध उनके सीने पर दबे जा रहे थे।

उनका हर एक धक्का मेरी आह निकाल रहा था।
मुझे तो लग रहा था कि आज मेरी चूत का भर्ता ही बन जायेगा।

लगभग 20 मिनट तक लगातार मेरी चुदाई होती रही मैं 2 बार झड़ चुकी थी मगर पता नहीं वो कब झड़ते!

और फिर उनकी रफ्तार एकाएक बहुत तेज़ हो गई.
उन्होंने मुझे बुरी तरह जकड़ लिया.
मैं भी उनसे चिपक गई.

उन्होंने एक तेज़ धार के साथ अपना गर्म गर्म वीर्य मेरी चूत में भर दिया और मेरे ऊपर ही लेट गए।
काफी देर तक हम दोनों ऐसे ही चिपके हुए लेटे रहे।

इसके आगे क्या हुआ और कैसे मेरी गांड की चुदाई हुई ये आप हॉट सेक्स चुदाई स्टोरी के अगले भाग में जरूर पढ़िए।
komalmis1996@gmail.com

हॉट सेक्स चुदाई स्टोरी का अगला भाग : जवानी की अधूरी प्यास- 3

Other stories you may be interested in

चूत का क्वॉरेंटाइन लण्ड से मिटाया- 5

जोरदार चुदाई की कहानी में पढ़ें कि कैसे मैं अपनी चूत में मची सेक्स की खलबली को अपनी भाभी के भाई के लम्बे लंड से शांत करवा रही थी. प्रिय पाठको, मुझे उम्मीद है कि आपको इस जोरदार चुदाई की […]
Full Story >>>

चूत का क्वॉरेंटाइन लण्ड से मिटाया- 4

मेरी चूत की आग अब बर्दाश्त से बाहर हो चुकी थी … मैं भी बेशर्म होकर उसके सामने नंगी पड़ी थी ; बार-बार अपनी गांड उठाकर उसका लोड़ा अपनी चूत में लेना चाह रही थी. अन्तर्वासना की इस फ्री कहानी में […]
Full Story >>>

घर का किराया मेरी बुर ने चुकाया- 2

मेरी पहली चुदाई की कहानी में पढ़ें कि मैंने फ्लैट के किराए के बदले अपने जिस्म का सौदा कर लिया था. तो मुझे पहली बार मेरे लैंडलार्ड ने कैसे चोदा ? नमस्कार दोस्तो, मैं कोमल एक बार फिर से आपके सामने […]
Full Story >>>

चूत का क्वॉरेंटाइन लण्ड से मिटाया- 3

मेरी चूत चुदाई की कहानी में पढ़ें कि मेरी चूत के अंदर जबरदस्त आग लगी हुई थी और वह कब से पानी छोड़ रही थी. पानी से मेरी पैंटी भी पूरी तरह से गीली हो चुकी थी. इस कहनी के […]
Full Story >>>

घर का किराया मेरी बुर ने चुकाया- 1

मेरी चुदाई स्टोरी में पढ़ें कि मुंबई में मुझे जॉब मिली. वहां मुझे रहने के लिए रूम नहीं मिल रहा था. फिर एक आदमी से मेरी बात हुई. उसने फ्लैट दिलाने को बोला मगर … नमस्कार मेरे सभी दोस्तो ! मैं […]
Full Story >>>